



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 357] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 27, 1992/भाद्र 5, 1914
No. 357] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 27, 1992/BHADRA 5, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिमूर्चना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1992

सं. 260/92 सीमाशुल्क

सा. का. नि. 738 (अ).— संघीय सरकार, सीमा-
शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25
की उपधारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
और भारत सरकार व वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)
की अधिमूर्चना संख्या 210/82 सीमाशुल्क तारीख 10
मिनम्बर, 1982 को अधिकांश करने हुए, अपना यह समाधान
हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, उन
अभिकरणों या परियोजनाओं को, जो उस अधिमूर्चना की
अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं, प्रदाय किए जाने वाले अन्तिम माल
व विनिर्माण के लिए अथवा पहले से ही प्रदाय किए गए
ऐसे अन्तिम माल के विनिर्माण में प्रयुक्त उक्त माल को पुनः

पुनः करने के लिए अर्पित कच्ची सामग्री, संघटकों, मध्य-
वर्तियों, उपभाग्य सामग्री अनिरिक्त पुर्जों से मिली पुर्जों और
पैठ करने वाली सामग्री (जिन्हें इसमें इससे पश्चात् उक्त
माल कहा गया है) को, जब उनका भारत में आयात किया जाए,

(क) उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क से, जो
सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का
51) का पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, और

(ख) दूसरे वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन
उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अनिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देता है,
अर्थात् यह कि—

(1) आयातकर्ता को पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए उक्त माल
के आयात या निर्मुक्ति के लिए आयात (नियंत्रण) आदेश,
1955 में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा संबंधित
व्यवस्थापक अभिकरण पर आवश्यक आयात अनुज्ञापन या
निर्मुक्ति आदेश मंजूर किया गया है,

(2) आयात अनुज्ञप्ति में अन्य बातों में साथ-साथ निम्नलिखित पण्डितक अनुविष्ट है —

(क) उक्त अनुज्ञप्ति में अर्पण अथवा-अथवा उक्त माल में से प्रत्येक का वर्णन, मात्रा और मूल्य

(ख) उक्त माल में या उसमें साथ विनिर्मित किए गए जाने वाले पत्तिस माल का वर्णन और मात्रा,

(3) आयातकर्ता, उस अधिभूतना में बर्तई गई बाध्यताओं और शर्तों का पूरा करने के लिए और साथ किए जाने पर उक्त आयातित माल पर, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में पुरोक्त प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया साबित नहीं होता है, उद्घटनीय शुल्क के बराबर रकम का सदाय करन के लिए, ऐन प्रत्येक में और एता राशि के लिए, जो उक्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, स्वयं को आवद्ध करने हुए बंधन निष्पादित करना है,

(4) आयातकर्ता अधिभूतना को बाधन दायित्व का निर्वहन करने के प्रयोजन के लिए और साथ ही उक्त अनुज्ञप्ति के बंधन में बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए, उक्त अनुज्ञापन प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में सदाय प्रस्तुत करना है,

(5) उक्त आयातित माल का, उस माल के विनिर्माण के लिए, जिसका अनुसूची में विनिर्दिष्ट आभिकरणों को प्रदाय किया गया है, उपयोग किया गया है और उसमें किसी भाग को उधार नहीं दिया गया है, उसका अन्तर्गण नहीं किया गया है, विक्रय नहीं किया गया है अथवा किसी अन्य गति में उसका व्ययन नहीं किया गया है।

2 पैरा 1 की शर्त (1) से (5) तक में फलविष्ट किसी बात के होने हुए भी—

(क) उस देश में, जहाँ उक्त आयातित माल है, जिस अर्थ में उक्त माल का आयात किया गया है, इस अधिभूतना के अधीन अधिभूतना रूप में पहचान दी प्रदाय कर दिया गया है, जहाँ पायलकता उक्त माल का किसी अन्य माल के विनिर्माण के लिए उपयोग कर सकता है, और

(ख) उस देश में जहाँ आयातकर्ता खण्ड (क) के अधीन अधिभूतना रूप में किसी अन्य माल विनिर्मित है लिए, जो उक्त माल का उपयोग करने वाला है वहाँ आयातकर्ता उस अधिभूतना के विनिर्दिष्ट आयात अनुज्ञप्ति के तहत और साथ ही उस पर्याप्तता के पुरतमादन से, जो मुख्य आयात निर्यात निदेशों को पंक्ति में जाने का पात्रकता है, उक्त माल को किसी अन्य आयातित अधिभूतना को ऐसे निदेशों और शर्तों के अधीन करने हुए जो उक्त पात्रकता विनिर्दिष्ट कर, अन्तर्गण कर सकता है।

3 इस अधिभूतना के अधीन छूट आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18)

की धारा 3 के अधीन जारी की गई किसी खत्री सामान्य अनुज्ञप्ति के अधीन आयात किए जाए उस माल का भी उपावृद्ध होगी, यदि देशों उपयोग के लिए उक्त माल का निकासी के समय, इस अधिभूतना के अधीन अधिभूतना आयात अनुज्ञप्ति आयातकर्ता द्वारा प्रस्तुत की जाती है।

अनुसूची

(1) प्रदाय, जो संयुक्त राष्ट्र समता को या संयुक्त राष्ट्रों के सहायता कार्यक्रम के अधीन अथवा अन्य बहुपक्षीय अभिकरणों को दिए गए हैं और जिनके लिए विदेशी मदों में सदाय किया गया है,

(11) प्रदाय, जो निम्नलिखित बहुपक्षीय या द्विपक्षीय अभिकरणों/निधियों द्वारा या ऐसे किसी अन्य अभिकरण निधि द्वारा जो कन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता बोली लगाने के अधीन अथवा उन अभिकरणों/निधियों को प्रशिक्षण के अन्तर्गत सीमा निविदा पद्धति के अधीन अधिभूतित की गई है, विनिर्दिष्ट परिभाषनाओं को लिए गए हैं

- 1 प्राकृतिक और आर्थिक विकास निधि
- 2 एशिया विकास बैंक (ए. डी. बी.)
- 3 अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आई. डी. आर. डी. आई. डी. ए.)
- 4 अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आई. एफ. ए. डी.)
- 5 क्रेडिट एन्साल्ट पार बोरडर आफ वाउ (के. एफ. डब्ल्यू.)
- 6 क्वैन्टा अर्थ आर्थिक विकास निधि
- 7 पैटालियम निर्यातक देश संगठन (ओ. पी. ई. सी.) निधि
- 8 सउदा विकास निधि (एस. एफ. डी.)
- 9 संयुक्त राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण (यू. एस. ए. आई. डी.)
- 10 समद्वार आर्थिक सहयोग निधि के माध्यम वाली प्रणाली में देन प्रत्येक (आई. सी. एफ.)

संशोधन इस अधिभूतना में —

(i) "आयात और निर्यात नीति" से भारत सरकार के विजय सहायता को सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आई. टी. सी. (11 एस.) 92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 के प्राग प्रकाशित निर्यात और आयात नीति 1 अर्थ 1992-93 में 1997 अधिभूतना के

(ii) "अनुज्ञापन पात्रकता" से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के अधीन किए गए आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति सज्ज करने के लिए सक्षम प्राधिकारी अधिभूत है।

[फा. सं. 341/20/90 टा. ए. ए. ए.]
पवन कुमार, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

NO. 260/92-CUSTOMS

G.S.R. 738(F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 210/82-Customs, dated the 10th September, 1982, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw materials, components, intermediates, consumables, parts other than spares and packing materials (hereinafter referred to as the said goods) required for the manufacture of final goods to be supplied to the agencies or projects as are specified in the schedule to this notification or for the replenishment of the said goods used in the manufacture of such final goods already supplied, when imported into India, from—

(a) the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act,

subject to the following conditions, namely

(1) that the importer has been granted necessary import licence or release order on the concerned canalising agency by the licensing authority as specified in the Import (Control) Order, 1955, for the import or release of the said goods for the aforesaid purpose;

(2) that the import licence contains the following endorsements inter alia :

(a) the description, quantity and value of each of the said goods individually under the said licence.

(b) the description and quantity of final goods to be manufactured out of, or with, the said goods;

(3) that the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the said licensing authority binding himself to fulfil the obligations and conditions stipulated in this notification and to pay on demand, an amount equal to the duty leviable on the said imported goods as are not proved to the satisfaction of the said licensing authority to have been used for the aforesaid purpose;

(4) that the importer produces evidence to the satisfaction of the said licensing authority, for the purpose of discharging the liability in respect of customs duty as well as for discharging the obligations against the said licence; and

(5) the said imported goods are utilised for the manufacture of goods which are supplied to agencies specified in the Schedule and that no portion thereof shall be loaned, transferred, sold or disposed of in any other manner.

2 Notwithstanding anything contained in conditions (1) to (5) of paragraph 1 :

(a) in a case where the final goods in respect of which the said goods have been imported are already supplied as required under this notification, the importer may use said goods for the manufacture of any other goods; and

(b) in a case where the importer cannot use the said goods for the manufacture of any other goods also as required under clause (a) then, with the previous approval of the authority competent to grant the import licence referred to in this notification, being the authority not below the rank of the Chief Controller of Import and Exports, the importer may transfer said goods to any other actual user, subject to such terms and conditions as the said authority may specify.

3. The exemption under this notification shall also be available to the said goods imported under an Open General Licence issued under section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), if at the time of clearance of the said goods for home consumption, the import licence required under this notification is produced by the importer.

SCHEDULE

(i) Supplies made to United Nations Organisations or under the aid programme of the United Nations or other multilateral agencies and paid for in foreign exchange;

(ii) Supplies made to projects financed by the following multilateral or bilateral agencies/Funds or any other agency/Fund as may be notified by the Central Government, under international competitive bidding or under limited tender system in accordance with the procedures of those agencies/Funds :

1. Abu Dhabi Fund for Arab Economic Development.
2. Asian Development Bank (ADB).
3. International Bank for Reconstruction and Development (IBRD/IDA).
4. International Fund for Agricultural Development (IFAD).
5. Kreditanstalt für Wiederaufbau (KFW).
6. Kuwaiti Fund for Arab Economic Development.
7. Organisation of Petroleum Exporting Countries (OPEC) Fund.
8. Saudi Fund for Development (SFD).
9. United States Agency for International Development (USAID).
10. Yen credit channelised through Overseas Economic Cooperation Fund (OECF);

Explanation : In this notification :

(i) 'Export and Import Policy' means the Export and Import Policy, 1st April, 1992—31st March, 1997 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)/92—97 dated the 31st March, 1992;

(ii) 'Licensing authority' means an authority competent to grant a licence under the Import (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 341/20/92-TRU]

P. K. JAIN, Under Secy.

अभिज्ञाना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1992

नं. 261/92—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 739 (अ) :—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1992 (1992 का 18) की धारा 111 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की

उप पैरा (iii) के अनुसरण में जागी की गई लोक सूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।”

[फा. स. 341/20/92-टी.आर.य.)]

पवन कुमार जैन, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

No. 262/92-CUSTOMS

[फा. स. 341/20/92 टी आर यू]

पवन कुमार जेठ अवर सचिव

New Delhi the 27th August, 1992

NOTIFICATION

No 261/92 CUSTOMS

(GSR 739(I)). In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with the sub-section (4) of section 111 of the Finance Act, 1992 (18 of 1992), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby amends the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 190/92 Customs, dated the 14th May, 1992, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 312 and the entry relating thereto the following shall be added, namely :—

"313 No. 260 Customs dated 27th August, 1992."

File No. 341 20/92-TRU |
P. K. JAIN, Under Secy.

प्रधिगचना

नई दि० वि० २७ अगस्त, १९९२

मं 262/92 सीमाशुल्क

सा का.नि. 710 (अ).—केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जान पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिमूर्चना स. 162/90—सीमाशुल्क नारीख 30 मार्च 1990 का निम्नलिखित ओर सन्तोषित करता है अर्थात्—

‘ उक्त अधिमचना म,—

(3) 'अतिप्रकृत सामग्री' शब्द जवा-जहा
 के अन्तर्गत है, के स्थान पर 'अति प्रकृत सामग्री' संपादकों,
 प्रकाशक, रचयिता या प्रकाशक, अति प्रकृत सामग्री में निम्न हिस्से
 का प्रकृत सामग्री' शब्द रखे जायेंगे।

(2) माष्णी में तथा म्हाक (7) और उससे संबंधित प्रविष्टि के पक्षान निर्मा प्रिवि यन् म्हापित किया जाएगा प्रर्गति।

(8) अन्य कोई मद जो भारत सरकार के मणिज्य मंत्रालय को लोक सभा में 1-अक्टूबर (फिएर) 92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 द्वारा प्रकाशित नियंत्रण और धायाय नीति 1 अप्रैल 1992, 31 मार्च 1997 के पैरा 56 के

G.S.R. 740(E).—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the Public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 162/90-Customs, dated the 30th March, 1990, namely :—

In the aid Notification part 1 -

(i) for the words "raw materials and components" wherever they occur, the words "raw materials, components, intermediates, consumables, parts other than spare, and packing materials" shall be substituted;

(u) in the Table after serial No. (7) and the entry relating thereto the following shall be inserted, namely:

(8) Any other item as may be specified by a Public Notice issued in pursuance of sub-para (iii) of para 56 of Export and Import Policy 1st April, 1992—31st March, 1997,—published vide Public notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)/92-97 dated the 31st March, 1992.”

[F. No. 341 20/92-TRU]

P. K. JAIN, Under Secy.

अविपचना

नई दिल्ली 27 अगस्त, 1992

स 263/92---पीमागल्क

मा का नि. 741 (अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क प्रविनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भा.न.सं.कार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्राथमिकता सूचना संख्या 513/82-सीमाशुल्क, तारीख 30 दिसम्बर 1986 में निम्नलिखित आर सणो ग करती है अर्थात् —

उक्त ग्रन्थसूचका में, “कच्चो सामग्री और मंघटको” शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ ये आते हैं, “कच्चो सामग्री, सड़को मन्वर्तियो, उपभोज्य सामग्री, अनिश्चित पुर्जों और पैक करने वाला सामग्री” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. म 311/20/92-डो आर यू]

पवन कुमार जैन, धवर सन्निव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

NO. 263/92-CUSTOMS

G.S.R. 741(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 513/86-Customs dated the 30th December, 1986, namely:

In the said notification for the words "raw materials and components" wherever they occur the words "raw material, components, intermediates, consumables, parts other than spares and packing materials" shall be substituted.

[F No 341/20/92-TRU]

P. K. JAIN, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1992

सं. 264/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 742 (अ):—केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 134/91-सीमाशुल्क तारीख 24 सितम्बर, 1991 का निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "कच्ची-सामग्री और संघटकों" शब्दों जहाँ-जहाँ वे आते हैं के स्थान पर "कच्ची-सामग्री संघटकों मध्यकों छपने योग्य सामग्री अतिरिक्त पुर्जों से भिन्न हिस्सों और पैकिंग सामग्री" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 341/20/92-टी.आर.यू.]

पवन कुमार जैन, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

NO. 264/92-CUSTOMS

G.S.R. 742(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 134/91-Customs dated the 24th September, 1991, namely:—

In the said notification for the words "raw materials and components" wherever they occur the words "raw material, components, intermediates, consumables, parts other than spares and packing materials" shall be substituted.

[F. No. 341/20/92-TRU]

P. K. JAIN, Under Secy.

2178 GI/92-2

अधिसूचना

नई दिल्ली 27 अगस्त 1992

सं. 265/92-सीमाशुल्क

✓ सा.का.नि. 743 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व एवं बैंककारी विभाग) की अधिसूचना सं. 166/76-सीमाशुल्क तारीख 2 अगस्त 1976 को अधिकांत करते हुये अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 28 के अंतर्गत आने वाले फॉस्फोरिक अम्ल को जब उनका भारत में उर्वरकों के उत्पादन के लिये आयात किया जाता है उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उदग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उदग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से छूट देती है।

[फा. सं. 348/50/92-टी.आर.यू.]

पवन कुमार जैन, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

No. 265/92-CUSTOMS

G.S.R. 743(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) No. 166/76-Customs, dated the 2nd August, 1976, the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts phosphoric acid, falling within Chapter 28 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1976 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of fertilizers, from the whole of the duty of customs which is specified in the said First Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under Section 3 of the said Customs Tariff Act.

[F. No 348/50/92-TRU]

PAWAN KUMAR JAIN, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त 1992

सं. 82/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 744 (अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1985 का 5) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट ऐसे समस्त उत्पाद-शुल्क मामलों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात्

उक्त माल कहा गया है) को जिनका शन प्रतिशत निर्यात-मुख उपक्रम या किसी मुक्त व्यापार ज़ोन में उत्पादन या विनिर्माण किया गया है और जिनकी, उत्पाद-शुल्क-मुक्त आयात अनुज्ञप्ति धारण करने वाले व्यक्ति को निर्यात और आयात नीति के पैरा 65 के निबंधनों के अनुसार अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए किसी अग्रिम निर्मोचन आदेश के विरुद्ध निकासी की गई है केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देनी है; अर्थात्:—

- (1) उत्पाद-शुल्क मुक्त अनुज्ञप्ति का धारक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के उचित अधिकारी के समक्ष उक्त अग्रिम निर्मोचन आदेश मूल रूप में प्रस्तुत करता है जिसमें इस अधिमृचना के अनुसार निकासी के लिए अनुज्ञात प्रत्येक उक्त माल की मात्रा, वर्णन जिसमें तकनीकी विनिर्देश भी है और मूल्य विनिर्दिष्ट हो;
- (2) उक्त माल की निकासी अनुज्ञात करने से पूर्व केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के समुचित अधिकारी द्वारा प्रत्येक मद की मात्रा और उसका मूल्य उक्त अग्रिम निर्मोचन आदेश में विकलित कर दिया जाना है;
- (3) उक्त माल का विनिर्माता केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173इ द्वारा तथा उपान्तरित उक्त नियमों के नियम 156क और 156ख में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करता है।

स्पष्टीकरण :

इस अधिमृचना में:—

- (1) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की मार्शजनिक्त मृचना सं. 1—आई. टी.सी. (पी एन)/92-97 तारीख 31 मार्च 1997 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति 1 अप्रैल 1992-31 मार्च 1997 अभिप्रेत है;
- (2) अनुज्ञापन प्राधिकारी से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18)

का अंगीकृत किए गए आयात नियंत्रण) आदेश के अधीन अनुज्ञप्ति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

[फा. सं. 341/20/92 टी.आर. .यु.]

पवन कुमार जैन, अवसर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1992

No. 82/92-Central Excise

G.S.R. 744(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all excisable goods (hereinafter referred to as the said goods) specified in the schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1985), produced or manufactured in a hundred per cent export oriented undertaking or a free trade zone and cleared to a person holding a duty free import licence against an advance release order issued by the licensing authority in terms of para 65 of the Export and Import policy for manufacturing goods for export, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) subject to the following conditions, namely:—

- (i) the duty free licence holder produces the said advance release order, specifying therein the quantity, description including the technical specifications and value of each of the said goods, permitted to be cleared in accordance with this notification, in original before the proper officer of Central Excise,
- (ii) the quantity and the value of each of the items is debited by the proper officer of Central Excise in the said advance release order before allowing clearance of the said goods
- (iii) the manufacturer of the said goods follows the procedure specified in rules 156A and 156B of the Central Excise Rules, 1944 as modified by rule 173N of the said Rules.

Explanation in this notification,—

(i) “Export and Import Policy” means the Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)/92-97, dated the 31st March, 1992

(ii) “Licensing authority” means an authority competent to grant a licence under the Import (Control) Order, 1955, made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947)

[F. No. 341/20/92-(RU)]
P. K. IAIN, Under Secy.